>

Title : Increasing incidents of crime against women and girls in the country.

श्रीमती जयाप्रदा : महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग शांत रहिये। ठीक है, आप लोग बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा : महोदय, मैं इस सदन की दृष्टि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर आकर्षित करवाना चाहती हूं। आप देख रहे हैं, हम लोग हर रोज अखबार देखते हैं तो हमें बहुत ही अचम्भा होता है, उसमें बहुत ही दर्दनाक खबरें रहती हैं। देश में महिलाओं के उत्पीड़न और उनके खिलाफ हिंसा और अपराधों में वृद्धि बहुत ही चिंताजनक है, देश में महिलाओं के ऊपर बहुत ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं। हम लोग बार-बार अखबारों में देख रहे हैं, लेकिन कानून व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था के लिए जितना जरूरी था, वह उतनी सुरक्षा महिलाओं को नहीं दे पा रही है। मैं इस बात पर बहुत चिंतित हूं। मैं आपको बताना चाहती हूं, खासतौर से मैं आपका ध्यान राजधानी दिल्ली की ओर लेकर जाना चाहती हूं। अभी-अभी राधिका की हत्या हुई है और वह लड़की...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह : इसके बारे में शाहनवाज़ जी बोल चुके हैं।...(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा : कृपया मुझे बोलने दीजिए। एक महिला के नाते मुझे बोलने का अवसर मिला है।...(व्यवधान) मैं राधिका के बारे में बताना चाहती हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग शांत रहिये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा : दिल्ली में और वह भी महिला दिवस पर उस लड़की की हत्या की गयी और 38 घंटे से ऊपर हो गये हैं, लेकिन पुलिस उसके मां-बाप के घर तक नहीं पहुंच पायी और जिसने जुर्म किया है, जो दोषी है, उसे पकड़ने के लिए अभी भी उन्हें कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है।

महोदय, मैं एक महिला होने के नाते यह बताना चाहती हूं कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं, उत्तर प्रदेश में भी इस तरह के बहुत हादसे हुए हैं। आध्र प्रदेश में भी इस तरह के हादसे हो रहे हैं, मुम्बई में भी हो रहे हैं, उड़ीसा में भी हो रहे हैं, सारे देश में इस तरह का माहौल है। अगर बच्चे को स्कूल भेजना हो, कॉलेज भेजना हो तो उनके मां-बाप के अंदर इतना डर है कि वे सोचते हैं कि उनके बच्चे वापस ठीक से घर पहुंचेंगे या नहीं पहुंचेंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया शांति बनाये रखिये।

श्रीमती जयाप्रदा : यह दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए यह हमेशा सुर्खियों में रहती है। मैं यह बताना चाहती हूं कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2009 में देश के 35 मुख्य शहरों में दर्ज बलात्कार के मामलों में दिल्ली का हिस्सा एक चौथाई है। महिलाओं के अपहरण के जो मामले दर्ज हुए हैं, उसमें दिल्ली का हिस्सा 40 प्रतिशत है। देश में कुल मिलाकर इनकी जो सारी हत्याओं के मामले रिकॉर्ड किये गये हैं, उनमें 14 प्रतिशत मामले दिल्ली से हैं, अब यह प्रतिशत 14 से बढ़कर 18 हो गया है।

महोदय, इस मामले में दिल्ली में छेड़छाड़ के जो केस पंजीकृत हुए हैं, वे तीन हजार के ऊपर हैं। मैं आपसे यह बात बताना चाहती हूं कि उन मां-बाप के लिए जो बच्चे, खासतौर से उत्तर प्रदेश में, मैं यह नहीं बताना चाहती हूं कि लड़की दलित है या राजभर है या अन्य किसी जाति की है, लेकिन एक ही जात होती है कि वह महिला है। मैं चाहती हूं कि महिला को इस समाज में सबला नहीं मानते हैं, अबला मानते हैं। ऐसी ही भरी सभा में जब द्रौपदी का चीरहरण हुआ तो सब देखते रह गये।

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप संक्षेप में बोलिए।

श्रीमती जयाप्रदा : महोदय, कृपया मुझे अपनी बात बोलने दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आपने अपनी बात बता दी है। यह बहुत है। कृपया कुछ संक्षेप में कीजिए।

श्रीमती जयाप्रदा : महोदया, मैं कम्पलीट कर लेती हूं। लेकिन कोई उन्हें बचाने के लिए नहीं आया।

उपाध्यक्ष महोदय : यह जीरो ऑवर है, इसमें बहुत लोगों को बोलना होता है। अन्य लोगों को बहुत से विषय रखने हैं।

श्रीमती मीना सिंह (आरा): महोदय, उन्हें बोलने दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : वे तो बोल ही रही हैं। हम कहां मना कर रहे हैं?

श्रीमती जयाप्रदा : महोदय, सीता मैय्या को भी अग्नि से पार होकर पवित्र होकर आना पड़ा। यह असमाज है, असमाज में महिलाओं के लिए चाहे उत्तर प्रदेश की शीलू हो, अगर उसने बलात्कार के लिए मना कर दिया तो उसके नाक, कान काटकर फेंक दिये। आज राधिका का हुआ है। मैं पूछना चाहती हूँ कि यहाँ पर केन्द्र सरकार पुलिस व्यवस्था और मौजूदा कानून व्यवस्था में कब तक बदलाव लाएगी? ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. बलीराम (लालगंज): उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा है कि नाक-कान काट दिया गया है। यह सब गलत सूचना है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य को बोलने दीजिए। आप बैठ जाइए। टोका-टोकी नहीं करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): यह सही सूचना है। यह मेरे क्षेत्र में उड़दौली की घटना है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप कृपया बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जयाप्रदा : महोदय, कोई व्यक्ति किसी भी पद पर हो, चाहे वह विधायक ही हो, उनको माफ नहीं किया जाना चाहिए। आखिर महिलाओं से अच्छा बर्ताव नहीं हो रहा है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाइए, समय बर्बाद न कीजिए। बहुत से लोगों का नाम है।

श्रीमती जयाप्रदा : महिलाओं के साथ ही नहीं, बल्कि बालिकाओं की भी हत्याएँ हो रही हैं और उन पर बलात्कार हो रहे हैं। क्या कोई सामने आ रहा है, कोई उनको आश्वासन दे रहा है?

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त कीजिए।

श्रीमती जयाप्रदा : पुलिस एक्ट में इसको रिवाइव करना चाहिए लेकिन पुराने उसी एक्ट पर पुलिस की व्यवस्था चल रही है। उस कानून में हम बदलाव नहीं ला पा रहे हैं। जितने कानून आ रहे हैं, उतनी ही ज्यादा हिंसा बढ़ रही है। आज महिलाएँ अगर देश की राजधानी में सुरक्षित नहीं हैं तो गाँवों में, गलियों में बच्चों के लिए सुरक्षा की व्यवस्था कौन करवाएगा? अगर हम लोग इस व्यवस्था में सुधार नहीं ला सकते तो कानून की व्यवस्था कहाँ से लाएँगे? आज मैं आपको यही बताना चाहती हूँ कि इस रिवाइवल के लिए, कानून व्यवस्था के लिए, हमारी पुलिस व्यवस्था के लिए, इनको रिवाइव करने के लिए हमें नया बिल लाना होगा और सदन में खूब डिसकशन होगा। हमें आश्वासन इसीलिए देना चाहिए कि राधिका और शीलू जैसी लड़कियों के बचाव के लिए देश में एक संदेश जाना चाहिए ताकि इस सदन से न्याय मिले। इस सदन के कानून को हम डेमोक्रासी मानते हैं और इस डैमोक्रेसी को दिन-दहाड़े खत्म नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): मंत्री जी को जवाब देना चाहिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: श्री रामसुब्बू के अलावा किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जाएगी।

*(Interruptions)â€¦.**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramasubbu, your matter is the same you can associate with her.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी बोल रहे हैं, आप कृपा करके बैठ जाइए।

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the hon. Ministers are expected to respond to the issues raised by the hon. Members during the `Zero Hour'. Yesterday I conveyed it to the hon. Home Minister. If the House wants we are ready for a discussion. Let them give a notice, we will discuss the issue....(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया शांत रहें।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramasubbu, your matter is the same as that of her. You can associate yourself with that. Please do not repeat it.